मैथिली

स्नातक (प्रतिष्ठा)-II
पत्र - चतुर्थ
तृतीय व्याख्यान

डा० - राम कुमार राय
सहायक प्राचार्य
मैथिली विभाग
वि० वि० म० महाविद्यालय, राजनगर

नेपाल मे मैथिली धार्मिक नाटक ! -

मध्यकालमे मैथिली धार्मिक नाटक रचना प्रारंभ भेल। मिथिलासँ सटल प्रदेश सबके सेहो मैथिलीमे नाटक लिखल जाए लेल। जाहिके मिथिलासँ सटल नेपाल मे सेहो मैथिली धार्मिक नाटकक मध्यकाल मे रचना भेल। नेपाल मे उपलब्ध नाटक सब पर डा० प्रबोधचन्द्र कान्त्री, स्व० कुमार गंगानन्द सिंह, डा० श्री जयकान्त मिश्र तथा डा० श्री लेखनाथ मिश्र पूर्ण रूप सँ शोध कार्य कयल। हिनका लोकनिक शोधकार्यक आधार पर कहल जाए सकैछ जे अधिकांश मैथिली नाटक सबहिक रचना नेपालक मल्ल राजा लोकनिक शासनकाल मे भेल। नेपाल ओ मिथिला मे कइ घनिष्ठ सम्पर्क छल। नेपालक

राजदरबारमे मैथिली पण्डित लोकनिक सम्मान, प्राचीन मिथिलाक राजधानी तथा मैथिल लोकनिक प्रधान तीर्थभूमि जनकपुर एवं राज-बनौली मे राजा पुरादित्यक ओइनिवार महाराज शिव सिंहक पलायन पश्चात लखिमाक संग विद्यापतिक ओतहि रहि कए 'लिखनावली' क रचना तथा 'श्रीमद्भागवत' क प्रतिलिपि करब-एकर सबसँ ज्वलन्त प्रमाण थिक। मैथिली नेपालक एकटा संवैधानिक भाषा थिक तथा ओहिठामक कतिपय विद्यालय एवं महाविद्यालय मे विधिवत नियमित रूपें पढ़ाओल जाइछ। नेपालक मध्य युगीन नाटक सभ मे मैथिली एवं नेवारीक अपूर्व समन्वय अछि। एकरा सभ मे अधिकांश नाटक सबहिक निर्माण धार्मिक पृष्ठभूमि पर भेल अछि। नेपालक प्राचीन एवं मध्यकालीन धार्मिक नाटक सभमे 1. विद्या-विलाप 2. हर गौरी विवाह एवं 3. कुन्ज बिहारी नाटक सभ डा० पी० सी० बागची सम्पादित भए पुस्तकाकार प्रकाशित भेल अछि। नेपालक राजकीय पुस्तकालय क

जे धार्मिक नाटक मैथिली मे उपलब्ध भेल ताइ मे प्रमुख अछि - 1. उषा हरण 2. पारिजात हरण 3. ललित नाटकम् 4. प्रभावती - हरण 5. मलय-गन्धिनी 6. मदन-चरित्र तथा 7. रामायण-नाटक।

सूपीन्द्रनाथ मल्लक राजत्व-काल मे माधवानल, गौरी-विवाह नाटक, पशुपति-प्रादुर्भाव, गोपीचन्द्र, रुक्मिणी-परिणय, विद्या-विलाप एवं महाभारत नाटक सभ लिखल गेल ओ मञ्च पर ओकर सफाइक अभिनय कैल गेल। सबसँ विशेष धार्मिक मैथिली नाटक क रचना नेपाल मे राजा रणजीत मल्लक समय मे भेल। ओहिकाल मे रचित नेपालक प्रमुख धार्मिक नाटक सभ निम्नलिखित अछि - यथा- इन्द्रजय नाटक, कोलासुर- वधोपाख्यान, अन्धकासुर- वधोपाख्यान, कृष्ण-चरित्रोपाख्यान, मदन-चरित्र, त्रिपुरासुर वधोपाख्यान, आदि। धार्मिक एवं पौराणिक कथानक सभ पर लिखल गेल नेपालक लेल उपर्युक्त नाटक

सग मे मैथिली, बंगाली, एवं नेवारी भाषाक सन्निश्रण पर्याप्त प्रचुर मात्रा में अछि परन्च मैथिलीक प्रमुखता ओहि मध्य सर्वत्र परिलक्षित होइत।

स्रोत:- मैथिली साहित्यक भूमिका - डा० परमेश्वर मिश्र

क्रमश: —

Scanned with CamScanner